नमीं चेतना बारै

क्र.	अंक	म्हीना	विशे सूची	
10.	13	अक्तूबर, नवंबर, दिसम्बर, 1970	जम्मू निवासी कवि महता मथरादास जी मोहन 'शायक'	- बिशनदास गंडोत्रा
			डोगरी ते दूइयां भाशां	- बलराज पुरी
			गलैडियेटर (रेडियो मोनोलाग)	- मदन मोहन
			अपने परशामे दी लो (क्हानी)	- नरसिंह देव जम्वाल
			गज़ल	- रामलाल शर्मा
			तलब	- श्रीमति पद्मा सचदेच
			गीत	- प्रद्युमन सिंह जिंद्राहिया
			डुबिया सुपणा	- सीताराम खजूरिया
			प्हाड़ां दी रानी	- देसराज डोगरा
			त्रै-कवतां	- शिवराम दीप
			मना दे कसाले	- शमशेर सिंह
			आस	- अश्विनी मगोत्रा
			गीत न्यारा	- संतोख सिंह
			अखिल भारती डोगरी साहित्य सम्मेलन (इक रपोर्ट)	- शिवराम दीप
			दोहरी (क्हानी)	- कुलदीप सिंह जिंद्राहिया
			सूचना	